देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित www.page3news.in नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 120 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...चीन में नई पहल भी फेल होगी?

देहरादून, मंगलवार, 10 अगस्त 2021

पेज श्री

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 24.0°

40238.39

2 बलूचिस्तान में अगली सरकार पीपीपी की

7 इंग्लैंड पर जीत का शानदार मौका था

पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम आए: प्रधानमंत्री

देश के 9.75 करोड़ किसानों के खातों में 19,509 करोड़ रूपए की पीएम किसान सम्मान राशि हस्तांतरित

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 9,75,46,378 किसान परिवारों के खातों में 1,95,09,27,56,000 रूपए सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किये। इनमें उत्तराखण्ड के 8.82 लाख किसानों के खाते में 176.46 करोड़ रूपए की राशि हस्तांतरित की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम नहीं आती है, हमें इसे उलट करना है। सुशांत उनियाल जैसे युवाओं को देखकर लग रहा है कि अब पहाड़ की जवानी फिर पहाड़ के काम आ रही है। युवा जब खेती करता है तो बड़ा बदलाव आना निश्चित है। सरकार का प्रयास है कि शहरों और गांवों में सुविधाओं के भेद को कम करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार देश अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। ये महत्वपूर्ण पड़ाव हमारे लिए गौरव का तो है ही, ये नए संकल्पों, नए लक्ष्यों का भी अवसर है। देश जब आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, 2047 में तब भारत की स्थिति क्या होगी, ये तय करने में हमारी खेती, हमारे किसानों की बहुत बड़ी भूमिका है। ये समय भारत की कृषि को एक ऐसी दिशा देने का है, जो नई चुनौतियों का सामना कर सके और नए अवसरों का लाभ उठा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने खरीफ हो या रबी सीजन, किसानों से एमएसपी पर अब तक की सबसे बड़ी खरीद की है। कुछ साल पहले जब देश में दालों की बहुत कमी हो गई थी, तो देश के किसानों से दाल उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया था। उस आग्रह को देश के किसानों ने स्वीकार किया। परिणाम ये हुआ कि बीते 6 साल में देश में दाल के उत्पादन में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के कृषि मंत्री सुबोध उनियाल सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री व अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड के 8.82 लाख किसानों के खाते में 176.46 करोड़ की राशि हस्तांतरित

वेल्यु एडीशन पर ध्यान दिया जाए: सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के अधिकारियों को निर्देशित किया कि युवाओं को खेती और बागवानी से जोड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर की जा रही नई पहलों का अध्ययन किया जाए। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए वेल्यु एडीशन पर ध्यान दिया जाए और सप्लाई चौन सुनिश्चित की जाए।

टिहरी के मशरूम उत्पादक सुशांत उनियाल से की बात

प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों के लाभार्थी किसानों से भी बात की और उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने उत्तराखण्ड के टिहरी जिले के चंबा विकासखण्ड के सुशांत उनियाल से भी बात की। श्री सुशांत, डिंगरी मशरूम उत्पादन इकाई के माध्यम से मशरूम उत्पादन का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें सरकारी योजनाओं से बहुत लाभ हुआ है। अपने मशरूम उत्पादन से आस पास के ग्रामीणों को भी जोड़ा है।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के लिए 11 हजार करोड़ का निवेश होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि खाने के तेल में आत्मनिर्भरता के लिए अब राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन–ऑयल पाम का संकल्प लिया गया है। इस मिशन के माध्यम से खाने के तेल से जुड़े इकोसिस्टम पर 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा। आज भारत कृषि निर्यात के मामले में पहली बार दुनिया के टॉप–10 देशों में पहुंचा है। कोरोना काल में देश ने कृषि निर्यात के नए रिकॉर्ड बनाए हैं।

जम्मू–कश्मीर का केसर विश्व प्रसिद्ध है। सरकार ने ये फैसला लिया है कि जम्मू–कश्मीर का केसर देशभर में नाफेड की दुकानों पर उपलब्ध होगा।

---'k"k [kcj i!t 8 ij

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भाजपा ने अपने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को व्हिप जारी कर उन्हें 10 अगस्त और 11 अगस्त को दोनों सदनों और अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में मौजूद रहने को कहा है। दरअसल संसद के मानसून सत्र के इस अंतिम हफ्ते में पेगासस एवं अन्य्य मुद्दों को लेकर विपक्ष के साथ जारी गतिरोध के थमने के आसार नहीं हैं। माना जा रहा है कि राज्यसभा और लोकसभा से कई महत्वपूर्ण बिल पास होने हैं।

अनंतनाग में आतंकियों ने भाजपा नेता–पत्नी को गोली मारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू। अनंतनाग में स्टेडियम के समीप सोमवार को आतंकियों ने भाजपा के नेता और सरपंच गुलाम रसूल व उनकी पत्नी के घर पर जबरन घुसते हुए उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर घटनास्थल से फरार हो गए। सरपंच गुलाम रसूल और उनकी पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है।

आतंकवाद के लिए समुद्री रास्तों का दुरूपयोग हो रहा

पीएम मोदी ने यूएनएससी की अहम बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली परिचर्चा है। परिषद की इस तरह की बैठक की अध्यक्षता करने वाले वह भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए। इस बैठक में समुद्री अपराध और असुरक्षा से निपटने की रणनीति पर चर्चा हुई। पीएम ने इस बैठक में कहा कि आतंकवाद और पायरेसी के लिए समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पीएम ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा, पायरेसी और आतंकवाद के लिए समुद्री रास्तों का दुरूपयोग हो रहा है। अनेक देशों के बीच समुद्री विवाद हैं और जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक आपदाएं भी समुद्र से जुड़े विषय हैं। पीएम ने कहा कि समंदर हमारी साझा धरोहर हैं। हमारे समुद्री रास्ते इंटरनैशनल ट्रेड की लाइफ लाइन हैं। पीएम ने आगे कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि ये समंदर हमारे ग्रह के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन हमारी इस साझा समुद्री धरोहर को आज कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इससे पहले पीएमओ ने बताया था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली परिचर्चा की अध्यक्षता करने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस खुली परिचर्चा के केंद्र में समुद्री अपराध और असुरक्षा व इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है। यूएनएससी ने समुद्री सुरक्षा और समुद्री अपराध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की है और कई प्रस्ताव पारित किए हैं। हालांकि, यह पहली बार होगा कि समुद्री सुरक्षा पर उच्च स्तरीय और खुली चर्चा गहन तरीके से होगी।

बैठक में पांच सिद्धांत रखे

पीएम ने इस बैठक में पांच सिद्धांत रखे। उन्होंने कहा, वैध समुद्रीय व्यापार से बैरियर हटाने चाहिए, समुद्री विवादों का समाधान शांतिपूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर ही होना चाहिए। हमें प्राकृतिक आपदाओं और समुद्री खतरे का सामना मिलकर सामना करना चाहिए, हमें समुद्रीय पर्यावरण और संसाधनों को संजो कर रखना होगा। हमें जिम्मेदार समुद्रीय कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित करना चाहिए।

भारत लौटे ओलिंपिक वीर का जोरदार स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय ओलिंपिक दल सोमवार 9 अगस्त को टोक्यो में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद वतन लौटा। अपने चैंपियन खिलाड़ियों के स्वागत में पहले से ही फैंस दिल्ली एयरपोर्ट पर मौजूद थे। जैसे ही खिलाड़ियों की फ्लाइट लैंड हुई और लोगों को इस बात की जानकारी मिली उनका बेचैनी और भी ज्यादा बढ़ गई। अपने इन चैंपियन खिलाड़ियों को सामने देखने के बाद तो जैसे उनके खुशी का ठिकाना ही नहीं था। कोई गुलाल उड़ा रहा था तो कोई फूलों की माला पहनाने की कोशिश में था। यहां तक की सुरक्षाकर्मी भी टोक्यो में भारत का सिर उंचा करने वाले खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाने की होड़ में थे।

नीरज चोपड़ा को एयरपोर्ट से निकलने के लिए काफी मुश्किल हुई। सुरक्षाकर्मियों ने काफी मुश्किल से भीड़ को आगे से हटाते हुए गाड़ी तक पहुंचाया। नीरज के साथ एयरपोर्ट की स्वचलित सीढ़ी पर भी फोटो खिंचवाने वालों की भीड़ साथ चल रही थी। नीरज नीरज के नाम को पुराने वाले फैंस लगातार अपने चौंपियन का ध्यान अपनी तरफ खींचना चाहते थे।

बजरंग के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए उनके फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। फूलों की माला से उनका स्वागत किया गया और भी फोटो लेकर सभी ने अपने इस चौंपियन का स्वागत किया।

खिलाड़ियों के गांव से लोग एयरपोर्ट पर अपने चहेते खिलाड़ियों का स्वागत करने पहुंचे थे। कोई गुलाल उड़ा रहा था तो कोई ढोल बचा रहा था। हजारों की भीड़ खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से कंधे पर बाहर उठाकर ला रही थी। सुरक्षाकर्मियों में भी इन स्टार खिलाड़ियों के साथ तस्वीर खिंचवाने की होड़ मची हुई थी। सभी को इस पल को अपने कैमरे में कैद करना था।

स्वागत

■गुलाल उड़ाए, सुरक्षाकर्मियों में फोटो खिंचवाने की होड़

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भारत में बढ़ेगी चमोली जैसी तबाही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जिनेवा। जलवायु परिवर्तन और अमेरिका समेत दुनियाभर में आगजनी की बढ़ती घटनाओं की मार से जूझ रही धरती के लिए एक और बुरी खबर है। दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम नहीं किया गया तो वर्ष 2100 तक धरती का तापमान दो डिग्री तक बढ़ सकता है। इससे भारत में चमोली जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ सकती हैं।

धरती की सम्पूर्ण जलवायु प्रणाली के हर क्षेत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलावों को दुनिया भर के वैज्ञानिक देख रहे हैं। जलवायु में हो रहे अनेक परिवर्तन तो अप्रत्याशित हैं जो सैकड़ों हजारों सालों में भी नहीं देखे गये। कुछ बदलाव तो पहले ही अपना असर दिखाना शुरू कर चुके हैं, जैसे कि समुद्र के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी। इन बदलावों का असर हजारों सालों तक खत्म नहीं किया जा सकता। आईपीसीसी की आज जारी हुई रिपोर्ट में इन बातों के लिये आगाह किया गया है।

समुद्र में समा जाएंगे कई क्षेत्र: इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज